दैनिक भास्कर

dainikbhaskar.com इंदौर, रविवार 20 सितंबर, 2015

साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक होना जरूरी

पांचवें राष्ट्रीय साइबर क्राइम प्रशिक्षण के समापन पर बोले आईजी कपूर, पुलिस अधिकारियों ने सीखे साइबर सुरक्षा के गुर

भास्कर संवाददाता. इंदौर

पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) में पांचवें राष्ट्रीय साइबर क्राइम प्रशिक्षण का समापन हुआ। इसमें भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से आए पुलिस अधिकारियों ने इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को बहुत उपयोगी बताया।

पीआरटीएस के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने बताया कि पीआरटीएस देश का अकेला ऐसा तकनीकी संस्थान है, जो साइबर क्राइम के खिलाफ जागरूकता के लिए चार सालों से उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। साथ ही स्कूल-कॉलेजों के छात्रों और प्रमुख शासकीय-अशासकीय संगठनों व कार्यालयों के सदस्यों को भी साइबर जागरूकता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज सूचना प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है, इसलिए साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक होना जरूरी है। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए आईजी कपूर ने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता तभी होगी जब आप अपने राज्य, कार्यस्थलों पर जाकर उसे क्रियान्वित करेंगे, जो आपने यहां सीखा। इसे अपने साथियों को भी सिखाएं। आईजी कपूर ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न भी प्रदान किए और संस्था के पुलिस अधीक्षक सुदीप गोयनका व अन्य स्टाफ को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रशिक्षण के समापन पर पुलिस अधिकारी को प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न सौंपते आईजी कपूर।

स्पंदन में बिखरे कला के रंग- पीआरटीएस द्वारा तृतीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन-2015 का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षणार्थियों द्वारा नृत्य, गायन और रोचक नाटकों का मंचन किया गया। नाटक में भ्रष्टाचार और पाखंड को व्यंग के माध्यम से दर्शाया गया, वहीं गीतों और नृत्य में लोक संस्कृति की झलक नजर आई। कार्यक्रम रिटायर्ड डीजीपी डंगवाल, आईजी कपूर, डिप्टी कमांडेंट बीएसएफ राजीव रॉय सहित अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए।